चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	28.2.24	4	1-3

हकृवि की डब्ल्यूएच 1270 से गेहूं उत्पादक किसानों को मिल रहा पूरा लाभः प्रो. काम्बोज

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की डब्ल्यूएच 1270 की उन्नत किस्म किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रही है। यह किस्म गेहूं की अधिक पैदावार तो बढ़ाती है। साथ ही गेहूं की मुख्य बीमारियां जैसे पीला रत्तवा व भूरा रत्तवा के प्रतिरोग रोधी क्षमता से भी परिपूर्ण है। इन्हीं गुणों के साथ गेहूं की डब्ल्यूएच 1270 की उन्नत किस्म हरियाणा के साथ-साथ देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को भी भरपूर फायदा मिल रहा है। ये विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कंपनियों से समझौते के दौरान कही। किसानों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने जगदीश हाईब्रिड सीड्स कंपनी, सुपर सीड्स, हिसार, यमुना सीड्स, इंद्री व गोपाल सीड्स फार्म, मानसा से समझौता किया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि डब्ल्यूएच 1270 की पैदावार व रोग प्रतिरोधक क्षमता को देखते हुए इसकी मांग अन्य राज्यों में भी बढ़ती जा रही है। विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के गेहूं अनुभाग द्वारा विकसित गेहूं की किस्म डब्ल्यूएच 1270 को भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी भाग के सिंचित क्षेत्र में अगेती बिजाई वाली खेती के लिए वरदान साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि इसकी मांग पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तरप्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बढ़ती जा रही है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ गेहूं की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य व अन्य अधिकारीगण। ● विज्ञप्ति।

एक साथ चार कंपनियों के साथ हुआ समझौता

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजू महता ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से एक साथ चार कंपनियों के साथ समझौते हुए। इनमें कुलपति प्रो. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। इसकी जगदीश हाईब्रिड सीड्स कंपनी की ओर से नमन मित्तल और प्रबंधक महावीर, सुपर सीड्स, हिसार के निदेशक अंकित गर्ग, यमुना सीड्स, इंद्री के पार्टनर रमन कुमार और गोपाल सीड्स फार्म, मानसा के प्रबंधक संदीप कुमार ने समझौते पर हस्ताक्षर किए।

डब्ल्यूएच 1270 की विशेषताएं

गेहूं एवं जौ अनुभाग के प्रभारी डा. पवन कुमार ने बताया कि किस्म में विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार बिजाई करके उचित खाद, उर्वरक व पानी दिया जाए तो इसकी औसतन पैदावार 75.8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो सकती है और अधिकतम पैदावार 91.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक ली जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस समय गेहूं के अंदर बालिया निकलने लग रही है। कुछ क्षेत्रों के अंदर जहां रेतीली भूमि है वहां पर सूक्ष्म तत्वों की कमी से झंडा पत्ता रोल हो रहा है व तीखा-नुकीला बना हुआ है, जोकि बालियों को सही ढंग से निकलने नहीं देता।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	28.2.24	3	3-6

भास्कर खास • उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए एचएयू का चार कंपनियों के साथ समझौता

एचएयू की डब्ल्यूएच 1270 से देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को मिल रहा भरपूर लाभ : प्रो. काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रही है। यह किस्म गेहूं की अधिक पैदावार तो बढ़ाती है साथ ही गेहूं की मुख्य बीमारियां जैसे पीला रत्तवा व भूरा रत्तवा के प्रति रोगरोधी क्षमता से भी परिपूर्ण है।

इन्हीं गुणों के साथ गेहूं की डब्ल्यूएच 1270 की उन्नत किस्म हरियाणा के साथ-साथ देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को भी भरपूर फायदा मिल रहा है। ये विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज ने कंपनियों से समझौते के दौरान कही। किसानों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने जगदीश हाईब्रिड सीड्स कंपनी, सुपर सीड्स, हिसार, यमुना सीड्स, इंद्री व गोपाल सीड्स फार्म, मानसा से समझौता किया है।

हकृवि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ गेहूं की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य व अन्य अधिकारीगण।

विवि ने कुल 35 कंपनियों से किया है समझौता

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से एक साथ चार कंपनियों के साथ समझौते हुए, जिनमें कुलपति प्रो. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। जगदीश हाईब्रिड सीड्स कंपनी की ओर से नमन मित्तल और प्रबंधक महावीर, सुपर सीड्स, हिसार के निदेशक अंकित गर्ग, यमुना सीड्स, इंद्री के पार्टनर रमन कुमार और गोपाल सीड्स फार्म, मानसा के प्रबंधक संदीप कुमार ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। ज्ञात रहे कि विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए कुल 35 कंपनियों से समझौते किए हैं।

डब्ल्यू एच 1270 की विशेषताएं

गेहूं एवं जौ अनुभाग के प्रभारी डॉ. पवन कुमार ने बताया कि इस किस्म में विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार बिजाई करके उचित खाद, उर्वरक व पानी दिया जाए तो इसकी औसतन पैदावार 75.8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो सकती है और अधिकतम पैदावार 91.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक ली जा सकती है। इस समय गेहूं के अंदर बालिया निकलने लग रही है। कुछ क्षेत्रों के अंदर जहां रेतीली भूमि है वहां पर सुक्ष्म तत्वों की कमी से झंडा पत्ता रोल हो रहा है व तीखा-नुकीला बना हुआ है, जो बालियों को सही ढंग से निकलने नहीं देता। यह मैगनीज तत्व की कमी के लक्षण है। अत: किसानों को सलाह दी जाती है कि उपरोक्त स्थिति में वे 500 ग्राम मैगनीज सल्फेट 100 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ स्प्रे करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	28.2.24	9	1-4

एचएयू की डब्ल्यू एच 1270 से देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को मिल रहा भरपूर लाभ : प्रो. काम्बोज

गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए एचएयू ने किया चार कंपनियों के साथ समझौता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से विकसित गेहूं की डब्ल्यूएच 1270 की उन्नत किस्म किसानों के लिए काफ़ी फायदेमंद साबित हो रही है। यह किस्म गेहूं की अधिक पैदावार तो बढ़ाती है साथ ही गेहूं की मुख्य बीमारियां जैसे पीला रत्तवा व भूरा रत्तवा के प्रति रोगरोधी क्षमता से भी परिपूर्ण है। इन्हीं गुणों के साथ गेंहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म हरियाणा के साथ-साथ देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को भी भरपूर फायदा मिल रहा है।

यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने मंगलवार को कंपनियों से समझौते के दौरान कही। किसानों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने जगदीश हाईब्रिड सीड्स कंपनी, सुपर सीड्स, हिसार, यमुना सीड्स, इंद्री व गोपाल सीड्स फार्म, मानसा से समझौता किया है। कुलपति ने कहा कि उन्नत किस्म डब्लयू एच 1270 की पैदावार व रोग प्रतिरोधक क्षमता को देखते हुए इसकी मांग अन्य राज्यों में भी लगातार बढ़ती जा रही है।

विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के गेहूं अनुभाग द्वारा विकसित गेहूं की किस्म डब्ल्यूएच 1270 को भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी भाग के सिंचित क्षेत्र में अगेती बिजाई वाली खेती के लिए वरदान साबित हो रही है। इसकी मांग पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तरप्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में लगातार बढ़ती जा रही है।

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज के साथ गेहूं की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य व अन्य अधिकारीगण। फोटो : हरिभूमि

डब्ल्यूएच 1270 की विशेषताएं

गेहूं एवं जौ अनुभाग के प्रभारी डॉ. पवन कुमार ने बताया कि इस किस्म में विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिफ़ारिशों के अनुसार बिजाई करके उचित खाद, उर्वरक व पानी दिया जाए तो इसकी औसतन पैदावार 75.8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो सकती है और अधिकतम पैदावार 91.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक ली जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस समय गेहूं के अंदर बालिया निकलने लग रही है। कुछ क्षेत्रों के अंदर जहां रेतीली भूमि है वहां पर सुक्ष्म तत्वों की कमी से झंडा पत्ता रोल हो रहा है व तीखा-नुकीला बना हुआ है, जोकि बालियों को सही ढंग से निकलने नहीं देता। यह मैगनीज तत्व की कमी के लक्षण है। अतः किसानों को सलाह दी जाती है कि उपरोक्त स्थिति में वे 500 ग्राम मैगनीज सल्फेट 100 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ स्प्रे करें। इससे बालियां सही ढंग से निकलने लग जाएगी। यदि उसके बाद भी समस्या ज्यों की त्यों रहती है तो एक सप्ताह के बाद पुनः मैगनीज सल्फेट का छिडकाव करें।

एक साथ चार कंपनियों के साथ हुआ समझौता

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से एक साथ चार कंपनियों के साथ समझौते हुए हैं। इनमें कुलपति प्रो. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए, जबकि जगदीश हाइब्रिड सीड्स कंपनी की ओर से नमन मित्तल और प्रबंधक महावीर, सुपर सीड्स, हिसार के निदेशक अंकित गर्ग, यमुना सीड्स, इंद्री के पार्टनर रमन कुमार और गोपाल सीड्स फार्म, मानसा के प्रबंधक संदीप कुमार ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। ज्ञात रहे कि विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए कुल 35 कंपनियों से समझौते किए है।

ये रहे मौजूद

मौके पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. ओपी बिश्नोई, एसवीसी कपिल अरोड़ा, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान सहित अन्य उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	28.2.24	2	2-4

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ गेहूं की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य व अन्य अधिकारीगण।

हकृवि ने गेहूं की डब्ल्यू.एच. 1270 उन्नत किस्म को लेकर 4 कंपनियों के साथ किया समझौता

हिसार, 27 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की डब्ल्यू.एच. 1270 की उन्नत किस्म किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रही है। क्योंकि यह किस्म गेहूं की अधिक पैदावार तो बढ़ाती है साथ ही गेहूं की मुख्य बीमारियां जैसे पीला रत्तवा व भूरा रत्तवा के प्रति रोगरोधी क्षमता से भी परिपूर्ण हैं। इन्हीं गुणों के साथ गेंहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म हरियाणा के साथ-साथ देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को भी भरपूर फायदा मिल रहा है।

ये विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कंपनियों से समझौते के दौरान कही। किसानों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने चार कंपनियों से समझौता किया है। कुलपति ने कहा कि उन्नत किस्म डब्ल्यू.एच. 1270 की पैदावार व रोग प्रतिरोधक क्षमता को देखते हुए इसकी मांग अन्य राज्यों में भी लगातार बढ़ती जा रही है। विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के गेहूं अनुभाग द्वारा विकसित गेहूं की किस्म डब्ल्यू एच 1270 को भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी भाग के सिंचित क्षेत्र में अगेती बिजाई वाली खेती के लिए वरदान साबित हो रही है। इसकी मांग पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तरप्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में लगातार बढ़ती जा रही है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	28.2.24	5	1-5

हकृवि की डब्ल्यू एच 1270 किस्म से देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को मिल रहा भरपूर लाभ : प्रो. कम्बोज

हिसार, 27 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रही है। क्योंकि यह किस्म गेहूं की अधिक पैदावार तो बढ़ाती है साथ ही गेहूं की मुख्य बीमारियां जैसे पीला रत्तवा व भूरा रत्तवा के प्रति रोगरोधी क्षमता से भी परिपूर्ण है। इन्हीं गुणों के साथ गेंहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म हरियाणा के साथ-साथ देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को भी भरपूर फायदा मिल रहा है। ये विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कंपनियों से समझौते के दौरान कही। किसानों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने जगदीश हाईब्रिड सीड्स कंपनी, सुपर सीड्स, हिसार, यमुना सीड्स, इंद्री व गोपाल सीड्स फार्म, मानसा से समझौता किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि उन्नत किस्म डब्लयू एच 1270 की पैदावार व रोग प्रतिरोधक क्षमता को देखते हुए इसकी मांग अन्य राज्यों में भी लगातार बढ़ती जा रही है। विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के गेहूं अनुभाग द्वारा विकसित गेहूं की किस्म डब्ल्यू एच 1270 को भारत के जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में लगातार बढ़ती जा रही है। कुलपति ने कहा कि यह वैज्ञानिकों की मेहनत का ही परिणाम है कि हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा है जबकि देश के केंद्रीय खाद्यान भण्डारण में प्रदेश का कुल भण्डारण का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा है और फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से एक साथ चार कंपनियों के साथ समझौते हुए, जिनमें कुलपति प्रो. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने हस्ताक्षर किए, जबकि जगदीश हाईब्रिड सीड्स कंपनी की ओर से नमन मित्तल और प्रबंधक महावीर, सुपर सीड्स, हिसार के निदेशक अंकित गर्ग, यमुना सीड्स, इंद्री के पार्टनर रमन कुमार और गोपाल सीड्स फार्म, मानसा के प्रबंधक संदीप कुमार ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। ज्ञात रहे कि विश्वावद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए कुल 35 कंपनियों से समझौते किए है। गेहूं एवं जौ अनुभाग के प्रभारी डॉ. पवन कुमार ने बताया कि इस किस्म में विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार बिजाई करके उचित खाद, उर्वरक व पानी दिया जाए तो इसकी औसतन पैदावार 75.8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो सकती है और अधिकतम पैदावार 91.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक ली जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस समय गेहूं के अंदर बालिया निकलने लग रही है। कुछ क्षेत्रों के अंदर जहां रेतीली भूमि है वहां पर सुक्ष्म तत्वों की कमी से झंडा पत्ता रोल हो रहा है व तीखा-नुकीला बना हुआ है, जोकि बालियों को सही ढंग से निकलने नहीं देता। यह मैगनीज तत्व की कमी के लक्षण है। अत: किसानों को सलाह दी जाती है कि उपरोक्त स्थिति में वे 500 ग्राम मैगनीज सल्फेट 100 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ स्प्रे करें। इससे बालियां सही ढंग से निकलने लग जाएगी। यदि उसके बाद भी समस्या ज्यों की त्यों रहती है तो एक सप्ताह के बाद पुन: मैगनीज सल्फेट का छिड़काव करें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. ओ.पी. बिश्नोई, एसवीसी कपिल अरोड़ा, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान सहित अन्य उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. कम्बोज के साथ गेहूं की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य व अन्य अधिकारीगण।

* गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए हकृवि ने किया चार कम्पनियों के साथ समझौता

उत्तर पश्चिमी मैदानी भाग के सिंचित क्षेत्र में अगेती बिजाई वाली खेती के लिए वरदान साबित हो रही है। इसकी मांग पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तरप्रदेश,

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	28.2.24	4	7-8

हिसार में एचएयू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज के साथ गेहूं की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य व अन्य अधिकारीगण।

गेहूं की उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए एचएयू ने किया 4 कंपनियों से समझौता

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से विकसित गेहूं की डब्ल्यूएच 1270 की उन्नत किस्म किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रही है। क्योंकि यह किस्म गेहूं की अधिक पैदावार तो बढ़ाती है साथ ही गेहूं की मुख्य बीमारियां जैसे पीला रत्तवा व भूरा रत्तवा के प्रति रोगरोधी क्षमता से भी परिपूर्ण है। ये विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कंपनियों से समझौते के दौरान कही। किसानों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने जगदीश हाईब्रिड सीड्स कंपनी, सुपर सीड्स, हिसार, यमुना सीड्स, इंद्री व गोपाल सीड्स फार्म, मानसा से समझौता किया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कांबोज ने कहा कि दूसरे राज्यों पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तरप्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी इस किस्म की लगातार बढ़ती जा रही है।

1270 की उन्नत किस्म का देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को मिल रहा लाभ

एक साथ चार कंपनियों के साथ हुआ समझौता, अभी तक हो चुके हैं कुल 35 समझौते : मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से एक साथ चार कंपनियों के साथ समझौते हुए, जिनमें कुलपति प्रो. कांबोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने हस्ताक्षर किए, जबकि जगदीश हाईब्रिड सीड्स कंपनी की ओर से नमन मित्तल और प्रबंधक महावीर, सुपर सीड्स, हिसार के निदेशक अंकित गर्ग, यमुना सीड्स, इंद्री के पार्टनर रमन कुमार और गोपाल सीड्स फार्म, मानसा के प्रबंधक संदीप कुमार ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। ज्ञात रहे कि विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए कुल 35 कंपनियों से समझौते किए है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	28.2.24	10	2-4

गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 किस्म के लिए चार कंपनियों के साथ समझौता

कुलपति ने कहा- सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को मिल रहा लाभ

हिसार, 27 फरवरी (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रही है। यह किस्म गेहूं की अधिक पैदावार तो बढ़ाती है साथ ही गेहूं की मुख्य बीमारियां जैसे पीला रत्तवा व भूरा रत्तवा के प्रति रोगरोधी क्षमता से भी परिपूर्ण है। इन्हीं गुणों के साथ गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म हरियाणा के साथ-साथ देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को भी भरपूर फायदा मिल रहा है। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कंपनियों से समझौते के दौरान कही। किसानों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने जगदीश हाइब्रिड सीड्स कंपनी, सुपर सीड्स, हिसार, यमुना सीड्स, इंद्री व गोपाल सीड्स फार्म, मानसा से समझौता किया है।

हिसार में मंगलवार को हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ गेहूं की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य व अन्य अधिकारी।-हप्र

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि उन्नत किस्म डब्लयू एच 1270 की पैदावार व रोग प्रतिरोधक क्षमता को देखते हुए इसकी मांग अन्य राज्यों में भी लगातार बढ़ती जा रही है। विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के गेहूं अनुभाग द्वारा विकसित गेहूं की किस्म डब्ल्यू एच 1270 को भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी भाग के सिंचित क्षेत्र में अगेती बिजाई वाली खेती के लिए वरदान साबित हो रही है। इसकी मांग पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तरप्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में लगातार बढ़ती जा रही है।

गेहूं एवं जौ अनुभाग के प्रभारी डॉ. पवन कुमार ने बताया कि इस किस्म में विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार बिजाई करके उचित खाद, उर्वरक व पानी दिया जाए तो इसकी औसतन पैदावार 75.8 क्विंटल और अधिकतम पैदावार 91.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक ली जा सकती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	28.02.2024	--	--

कुलपति बोले, हकृवि की डब्ल्यू एच 1270 से देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को मिल रहा भरपूर लाभ

गेहूं की उन्नत किस्म पर हकृवि ने किया 4 कंपनियों के साथ समझौता

सवेरा न्यूज/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 27 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने किसानों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने जगदीश हाईब्रिड सीड्स कंपनी, सुपर सीड्स, हिसार, यमुना सीड्स, इंद्री व गोपाल सीड्स फार्म, मानसा से समझौता किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कंपनियों से समझौते के दौरान कहा कि विकसित गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रही है। क्योंकि यह किस्म गेहूं की अधिक पैदावार तो बढ़ाती है साथ ही गेहूं की मुख्य बीमारियां जैसे पीला रत्तवा व भूरा रत्तवा के प्रति रोगरोधी क्षमता से भी परिपूर्ण है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. ओ.पी. बिश्नोई, एसवीसी कपिल अरोड़ा, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान सहित अन्य उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ गेहूं की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य व अन्य अधिकारीगण।

डब्ल्यू एच 1270 की विशेषताएं : गेहूं एवं जौ अनुभाग के प्रभारी डॉ. पवन कुमार ने बताया कि इस किस्म में विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार बिजाई करके उचित खाद, उर्वरक व पानी दिया जाए तो इसकी औसतन पैदावार 75.8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो सकती है और अधिकतम पैदावार 91.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक ली जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस समय गेहूं के अंदर बालिया निकलने लग रही है। कुछ क्षेत्रों के अंदर जहां रेतीली भूमि है वहां पर सुक्ष्म तत्वों की कमी से झंडा पत्ता रोल हो रहा है व तीखा-नुकीला बना हुआ है, जोकि बालियों को सही ढंग से निकलने नहीं देता।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	27.02.2024	--	--

गेहूं की उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए हकृवि ने किया चार कंपनियों के साथ समझौता

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की डब्ल्यूएच 1270 की उन्नत किस्म किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रही है क्योंकि यह किस्म गेहूं की अधिक पैदावार तो बढ़ाती है साथ ही गेहूं की मुख्य बीमारियां जैसे पीला रतवा व भूरा रतवा के प्रति रोगरोधी क्षमता से भी परिपूर्ण है। इन्हीं गुणों के साथ गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म हरियाणा के साथ-साथ देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को भी भरपूर फायदा मिल रहा है। ये विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कंपनियों से समझौते के दौरान कही। किसानों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने जगदीश हाईब्रिड सीड्स कंपनी, सुपर सीड्स, हिसार, यमुना सीड्स, इंद्री व गोपाल सीड्स फार्म, मानसा से समझौता किया है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ गेहूं की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य व अन्य अधिकारी दिख।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि उन्नत किस्म डब्लयूएच 1270 की पैदावार व रोग प्रतिरोधक क्षमता को देखते हुए इसकी मांग अन्य राज्यों में भी लगातार बढ़ती जा रही है। विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के गेहूं अनुभाग द्वारा विकसित गेहूं की किस्म डब्ल्यू एच 1270 को भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी भाग के सिंचित क्षेत्र में अगेती बिजाई वाली खेती के लिए वरदान साबित हो रही है। इसकी मांग पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तरप्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में लगातार बढ़ती जा रही है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से एक साथ चार कंपनियों के साथ समझौते हुए, जिनमें कुलपति प्रो. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। ज्ञात रहे कि विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए कुल 35 कंपनियों से समझौते किए है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. ओ.पी. बिश्नोई, एसवीसी कपिल अरोड़ा, आईसीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान सहित अन्य उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	27.02.2024	--	--

गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए हकृवि ने किया चार कंपनियों के साथ समझौता

पांच बजे न्यूज

हिसार, 27 फरवरी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रही है। क्योंकि यह किस्म गेहूं की अधिक पैदावार तो बढ़ाती है साथ ही गेहूं की मुख्य बीमारियां जैसे पीला रतुआ व भूरा रतुआ के प्रति रोगरोधी क्षमता से भी परिपूर्ण है। इन्हीं गुणों के साथ गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म हरियाणा के साथ-साथ देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को भी भरपूर फायदा मिल रहा है। ये विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कंपनियों से समझौते के दौरान कही। किसानों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने जगदीश हाईब्रिड सीड्स कंपनी, सुपर सीड्स, हिसार, यमुना सीड्स, ईडी व गोपाल सीड्स फार्म, मानसा से समझौता किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि उन्नत किस्म डब्ल्यू एच 1270 की पैदावार व रोग प्रतिरोधक क्षमता को देखते हुए इसकी मांग अन्य राज्यों में भी लगातार बढ़ती जा रही है। विश्वविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के गेहूं अनुभाग द्वारा विकसित गेहूं की किस्म डब्ल्यू एच 1270 को भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी भाग के सिंचित क्षेत्र में अगेती बिजाई वाली खेती के लिए वरदान साबित हो रही है। इसकी मांग पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तरप्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में लगातार बढ़ती जा रही है। कुलपति ने कहा कि यह वैज्ञानिकों की मेहनत का ही परिणाम है कि हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा है जबकि देश के केंद्रीय खाद्यान्न भण्डारण में प्रदेश का कुल भण्डारण का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा है और फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में है।

एक साथ चार कंपनियों के साथ हुआ समझौता, अभी तक हो चुके हैं कुल 35 समझौते

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से एक साथ चार कंपनियों के साथ समझौते हुए, जिनमें कुलपति प्रो. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने हस्ताक्षर किए, जबकि जगदीश हाईब्रिड सीड्स कंपनी की ओर से पवन मित्तल और प्रबंधक महावीर, सुपर सीड्स, हिसार के निदेशक अंकित गर्ग, यमुना सीड्स, ईडी के पार्टनर रतन कुमार और गोपाल सीड्स फार्म, मानसा के प्रबंधक संदीप कुमार ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। ज्ञात रहे कि विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए कुल 35 कंपनियों से समझौते किए है।

डब्ल्यू एच 1270 की विशेषताएं

गेहूं एवं जौ अनुभाग के प्रभारी डॉ. पवन कुमार ने बताया कि इस किस्म में विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार बिजाई करके उचित खाद, उर्वरक व पानी दिया जाए तो इसकी औसतन पैदावार 75.8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो सकती है और अधिकतम पैदावार 91.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक ली जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस समय गेहूं के अंदर बालियां निकलने लग रही है। कुछ क्षेत्रों के अंदर जहां रेतीली भूमि है वहां पर सूक्ष्म तत्वों की कमी से झंडा पत्ता गोल हो रहा है व तीखा-नुकीला बना हुआ है, जोकि बालियों को सही ढंग से निकलने नहीं देता। यह मैंगनीज तत्व की कमी के लक्षण है। अतः किसानों को सलाह दी जाती है कि उपरोक्त स्थिति में वे 500 ग्राम मैंगनीज सल्फेट 100 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ स्प्रे करें। यदि उसके बाद भी समस्या ज्यों की त्यों रहती है तो एक सप्ताह के बाद पुनः मैंगनीज सल्फेट का छिड़काव करें।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. ओ.पी. बिश्नोई, एसवीसी कपिल अरोड़ा, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान सहित अन्य उपस्थित रहे।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	27.02.2024	--	--

गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए हकृवि ने किया चार कंपनियों के साथ समझौता

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 27 फरवरी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रही है। क्योंकि यह किस्म गेहूं की अधिक पैदावार तो बढ़ाती है साथ ही गेहूं की मुख्य बीमारियां जैसे पीला रतुआ व भूरा रतुआ के प्रति रोगरोधी क्षमता से भी परिपूर्ण है। इन्हीं गुणों के साथ गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म हरियाणा के साथ-साथ देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को भी भरपूर फायदा मिल रहा है। ये विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कंपनियों से समझौते के दौरान कही। किसानों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने जगदीश हाईब्रिड सीड्स कंपनी, सुपर सीड्स, हिसार, यमुना सीड्स, इंद्री व गोपाल सीड्स फार्म, मानसा से समझौता किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि उन्नत किस्म डब्ल्यू एच 1270 की पैदावार व रोग प्रतिरोधक क्षमता को देखते हुए इसकी मांग अन्य राज्यों में भी लगातार बढ़ती जा रही है। विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के गेहूं अनुभाग द्वारा विकसित गेहूं की किस्म डब्ल्यू एच 1270 को भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी भाग के सिंचित क्षेत्र में अगेती बिजाई वाली खेती के लिए वरदान साबित हो रही है। इसकी मांग पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तरप्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में लगातार बढ़ती जा रही है। कुलपति ने कहा कि यह वैज्ञानिकों की मेहनत का ही परिणाम है कि हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा है जबकि देश के केंद्रीय खाद्यान भण्डारण में प्रदेश का कुल भण्डारण का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा है और फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में है।

एक साथ चार कंपनियों के साथ हुआ समझौता, अभी तक हो चुके हैं कुल 35 समझौते

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से एक साथ चार कंपनियों के साथ समझौते हुए, जिनमें कुलपति प्रो. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने हस्ताक्षर किए, जबकि जगदीश हाईब्रिड सीड्स कंपनी की ओर से नमन मित्तल और प्रबंधक महावीर, सुपर सीड्स, हिसार के निदेशक अंकित गर्ग, यमुना सीड्स, इंद्री के पार्टनर रतन कुमार और गोपाल सीड्स फार्म, मानसा के प्रबंधक संदीप कुमार ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। ज्ञात रहे कि विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए कुल 35 कंपनियों से समझौते किए हैं।

डब्ल्यू एच 1270 की विशेषताएं

गेहूं एवं जौ अनुभाग के प्रभारी डॉ. पवन कुमार ने बताया कि इस किस्म में विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार बिजाई करके उचित खाद, उर्वरक व पानी दिया जाए तो इसकी औसतन पैदावार 75.8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो सकती है और अधिकतम पैदावार 91.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक ली जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस समय गेहूं के अंदर बालियां निकलने लग रही है। कुछ क्षेत्रों के अंदर जहां रेतीली भूमि है वहां पर सूक्ष्म तत्वों की कमी से झंडा पत्ता रोल हो रहा है व टेढ़ा-मेढ़ा बना हुआ है, जोकि बालियों को सही ढंग से निकलने नहीं देता। यह मैंगनीज तत्व की कमी के लक्षण है। अतः किसानों को सलाह दी जाती है कि उपरोक्त स्थिति में वे 500 ग्राम मैंगनीज सल्फेट 100 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ स्प्रे करें। यदि उसके बाद भी समस्या ज्यों की त्यों रहती है तो एक सप्ताह के बाद पुनः मैंगनीज सल्फेट का छिड़काव करें।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. ओ.पी. बिश्नोई, एसवीसी कपिल अरोड़ा, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान सहित अन्य उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स न्यूज	27.02.2024	--	--

हकृवि की डब्ल्यू एच 1270 से देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को मिल रहा भरपूर लाभ : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार (चिराग टाइम्स)

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रही है। क्योंकि यह किस्म गेहूं की अधिक पैदावार तो बढ़ाती है साथ ही गेहूं की मुख्य बीमारियां जैसे पीला रतवा व भूरा रतवा के प्रति रोगरोधी क्षमता से भी परिपूर्ण है। इन्हीं गुणों के साथ गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म हरियाणा के साथ-साथ देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को भी भरपूर फायदा मिल रहा है। ये विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कंपनियों से समझौते के दौरान कही। किसानों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने जगदीश हाईब्रिड सीड्स कंपनी, सुपर सीड्स, हिसार, यमुना सीड्स, इंदी व गोपाल सीड्स फार्म, मानसा से समझौता किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि उन्नत किस्म डब्ल्यू एच 1270

की पैदावार व रोग प्रतिरोधक क्षमता को देखते हुए इसकी मांग अन्य राज्यों में भी लगातार बढ़ती जा रही है। विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के गेहूं अनुभाग द्वारा विकसित गेहूं की किस्म डब्ल्यू एच 1270 को भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी भाग के सिंचित क्षेत्र में अगेती बिजाई वाली खेती के लिए वरदान साबित हो रही है। इसकी मांग पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तरप्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में लगातार बढ़ती जा रही है। एक साथ चार कंपनियों के साथ हुआ समझौता, अभी तक हो चुके हैं

कुल 35 समझौते

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से एक साथ चार कंपनियों के साथ समझौते हुए, जिनमें कुलपति प्रो. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने हस्ताक्षर किए, जबकि जगदीश हाईब्रिड सीड्स कंपनी की ओर से नमन मित्तल और प्रबंधक महावीर, सुपर सीड्स, हिसार के निदेशक अंकित गर्ग, यमुना सीड्स, इंदी के पार्टनर रमन कुमार और गोपाल सीड्स फार्म, मानसा के प्रबंधक संदीप कुमार ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। ज्ञात रहे कि विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए कुल 35 कंपनियों से समझौते किए है।

और अधिकतम पैदावार 91.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक ली जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस समय गेहूं के अंदर बालियां निकलने लग रही है। कुछ क्षेत्रों के अंदर जहां रेतीली भूमि है वहां पर सूक्ष्म तत्वों की कमी से झंडा पत्ता रोल हो रहा है व तीखा-नुकीला बना हुआ है, जोकि बालियों को सही ढंग से निकलने नहीं देता। यह मैगनीज तत्व की कमी के लक्षण है। अत: किसानों को सलाह दी जाती है कि उपरोक्त स्थिति में वे 500 ग्राम मैगनीज सल्फेट 100 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ स्प्रे करें। इससे बालियां सही ढंग से निकलने लग जाएगी। यदि उसके बाद भी समस्या ज्यों की त्यों रहती है तो एक सप्ताह के बाद पुन: मैगनीज सल्फेट का छिड़काव करें।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. ओ.पी. बिश्नोई, एसवीसी कपिल अरोड़ा, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान सहित अन्य उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	27.02.2024	--	--

हकृवि द्वारा गांव ढाणा कलां में फसल अवशेष प्रबंधन व चारा उत्पादन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर व चारा अनुभाग द्वारा गांव ढाणा कलां में किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में 100 से अधिक किसानों ने भाग लिया। इसमें चारा अनुभाग के कीट वैज्ञानिक डॉ. बजरंग लाल शर्मा ने किसानों को फसल अवशेष जलाने की बजाय मिट्टी में मिलाकर भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाकर मित्र कीटों को सुरक्षित करके वह अन्य सूक्ष्म लाभकारी जीवों को बढ़ाकर अधिक उत्पादन लेने की सलाह दी।

कृषि विज्ञान केंद्र, सदलपुर के को-ऑर्डिनेटर डॉ नरेंद्र कुमार ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए जीरो ड्रिल हैप्पी सीडर, रोटावेटर, बेलर आदि मशीनों का प्रयोग करके किसान अधिक मुनाफा ले सकते हैं। उन्होंने प्राकृतिक खेती से कम लागत में जीवामृत, बीजामृत, निमास्त्र आदि तैयार करके इसे थोड़े क्षेत्र में शुरू करने की सलाह दी।

चारा अनुभाग के सस्य वैज्ञानिक डॉ. सतपाल ने किसानों को बरसीम, जई व रिजका की फसल से बीज उत्पादन करके अधिक आय लेने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि मई व जून माह में हरे चारे की भारी कमी हो जाती है, जिसके लिए मार्च महीने के लिए ज्वार, बाजरा, लोबिया व मक्का की बिजाई करके मई व जून माह में हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने पशुओं के लिए सारा साल पौष्टिक आहार उपलब्ध करवाने के बारे में भी किसानों को बताया। कृषि विज्ञान केंद्र, सदलपुर के वैज्ञानिक डॉ. दिनेश कुमार ने किसानों को किचन गार्डनिंग अपनाने के साथ सरकार द्वारा दी जाने वाली विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	28.2.24	3	6-8

Day temperature declines by 4°C below average in region

IMD predicts thunderstorm/showers on March 1, 2

DEEPENDER DESWAL
TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, FEBRUARY 27

Light showers in Hisar and some other parts of the state today brought down the maximum temperature in the state. The showers are beneficial for the wheat crop but have raised concerns of the mustard farmers as the crop is at the ripening stage.

As per the Indian Meteorological Department (IMD), showers and overcast sky have brought the temperature by an average of four degrees Celsius in the state. Kurukshetra recorded the lowest daytime temperature of 18.7°C while Faridabad recorded the highest 25.9°C during the day today. The IMD also recorded .9 mm rainfall in Hisar and .5 mm in Jhajjar district today.

However, the weather office predicted that the western disturbances were likely to affect the Western Himalayan region and the adjoining plains from March 1 to March 3 which could cause light to moderate rain at few places in Haryana on March 1 and March 2. The IMD has issued a yellow alert for 14 districts for March 1 and for the entire state on March 2 in view of the thunderstorm and showers due to western disturbances.

YELLOW ALERT

- The IMD has issued a yellow alert for 14 districts for March 1 and for the entire state on March 2 in view of the thunderstorm/showers due to western disturbances.

Prof Om Prakash Bishnoi, wheat scientist at the Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) Hisar said with the difference in the day and night temperature, there was a possibility of a good wheat crop. He, however, said hails and gusty winds could cause damage to wheat and mustard crops at this stage.

Prof Bishnoi, however, said the above normal temperature last month seemed to have adversely impacted the HD 2851 — one of the popular varieties of wheat among the farmers. "The advanced sown wheat crop of this variety of seed has witnessed lack of pollination on the earrings of the plants. Due to the above normal temperature of day and night in December and foggy weather in January, this variety of wheat crop has developed earrings in a shorter span of time. As a result, the farmers are complaining of lack of pollination in the earrings which is a kind of shallowness of the grain", he said.